# Pro

## Chapter 24

### Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אַל־ | תְּקַנֵּא | בַּאֲנָשִׁי | רָעָה | וְאַל־ | [תתאו] | (תִּתְאָוִ֥) | לִהְיוֹת | אִתָּם׃ |
| मत- | ईर्ष्या-कर | मनुष्यों-से- | बुराई-के | और-मत- | [लालच-कर] | (लालच-कर) | होने-के-लिए | उनके-साथ |
| H0408 | H7065 | H0376 | | H0408 | H0183 | H0183 | H1961 | H0854 |

दुष्ट जन से तू कभी मत होड़कर। उनकी संगत की तू चाहत मत कर।

2

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| כִּי־ | שֹׁד | יֶהְגֶּה | לִבָּם | וְעָמָל | שִׂפְתֵיהֶם | תְּדַבֵּרְנָה׃ |
| क्योंकि- | विनाश | सोचता-है | हृदय-उनका | और-कष्ट | होंठ-उनके | बोलते-हैं |
| | H7701 | H1897 | | H5999 | H8193 | H1696 |

क्योंकि उनके मन हिंसा की योजनाएँ रचते और उनके होंठ दुःख देने की बातें करते हैं।

3

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| בְּחָכְמָה | יִבָּנֶה | בָּיִת | וּבִתְבוּנָה | יִתְכּוֹנָן׃ |
| बुद्धि-से | बनता-है | घर | और-समझ-से | स्थिर-होता-है |
| H2451 | H1129 | | H8394 | |

बुद्धि से घर का निर्माण हो जाता है, और समझ—बूझ से ही वह स्थिर रहता है।

4

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וּבְדַעַת | חֲדָרִים | יִמָּלְאוּ | כָּל־ | הוֹן | יָקָר | וְנָעִים׃ |
| और-ज्ञान-से | कमरे | भरते-हैं | सब- | धन | बहुमूल्य | और-मनोहर |
| H1847 | H2315 | H4390 | H3605 | H1952 | H3368 | |

ज्ञान के द्वारा उसके कक्ष अद्भुत और सुन्दर खजानों से भर जाते हैं।

5

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| גֶּבֶר־ | חָכָם | בַּעֹז | וְאִישׁ־ | דַּעַת | מְאַמֶּץ־ | כֹּחַ׃ |
| पुरुष- | बुद्धिमान | बल-में | और-मनुष्य- | ज्ञान-का | दृढ़-करता-है- | शक्ति |
| H1397 | H2450 | H5797 | H0376 | H1847 | H0553 | |

बुद्धिमान जन में महाशक्ति होती है और ज्ञानी पुरुष शक्ति को बढ़ाता है।

6

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כִּי | בְתַחְבֻּלוֹת | תַּעֲשֶׂה־ | לְךָ | מִלְחָמָה | וּתְשׁוּעָה | בְּרֹב | יוֹעֵץ׃ |
| क्योंकि | चतुराई-से | करेगा- | तेरे-लिए | युद्ध | और-उद्धार | बहुताई-में | सलाहकारों-की |
| | H8458 | | | H4421 | H8668 | H7230 | H3289 |

युद्ध लड़ने के लिये परामर्श चाहिये और विजय पाने को बहुत से सलाहकार।

7

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| רָאמוֹת | לֶאֱוִיל | חָכְמוֹת | בַּשַּׁעַר | לֹא | יִפְתַּח־ | פִּיהוּ׃ |
| ऊंची | मूर्ख-के-लिए | बुद्धि | फाटक-में | नहीं | खोलता-है- | मुख-अपना |
| | H0191 | H2454 | H8179 | H3808 | | H6310 |

मूर्ख बुद्धि को नहीं समझता। लोग जब महत्वपूर्ण बातों की चर्चा करते हैं तो मूर्ख समझ नहीं पाता।

8

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| מְחַשֵּׁב | לְהָרֵעַ | לוֹ | בַּעַל־ | מְזִמּוֹת | יִקְרָאוּ׃ |
| सोचनेवाला | बुराई-करने | उसे | स्वामी- | चालों-का | पुकारते-हैं |
| H2803 | | | H1167 | H4209 | H7121 |

षड्यन्त्रकारी वही कहलाता है, जो बुरी योजनाएँ बनाता रहता है।

9

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| זִמַּת | אִוֶּלֶת | חַטָּאת | וְתוֹעֲבַת | לְאָדָם | לֵץ׃ |
| योजना | मूर्खता-की | पाप | और-घृणा | मनुष्य-के-लिए | ठट्ठा |
| H2154 | H0200 | | H8441 | H0120 | H3887 |

मूर्ख की योजनायें पाप बन जाती है और निन्दक जन को लोग छोड़ जाते हैं।

10

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| הִתְרַפִּיתָ | בְּיוֹם | צָרָה | צַר | כֹּחֶכָה׃ | |
| शिथिल-हुआ | दिन-में | संकट-के | तंग | बल-तेरा | |
| H7503 | H3117 | | | | |

यदि तू विपत्ति में हिम्मत छोड़ बैठेगा, तो तेरी शक्ति कितनी थोड़ी सी है।

11

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| הַצֵּל | לְקֻחִים | לַמָּוֶת | וּמָטִים | לַהֲרֵג | אִם־ | תַּחְשׂוֹךְ׃ |
| छुड़ा | ले-जानेवालों-को | मृत्यु-की-ओर | और-लड़खड़ातों-को | वध-की-ओर | यदि- | रोकेगा |
| H5337 | H3947 | H4194 | H4131 | H2027 | | H2820 |

यदि किसी की हत्या का कोई षड्यन्त्र रचे तो उसको बचाने का तुझे यत्न करना चाहिये।

12

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כִּי־ | תֹאמַר | הֵן | לֹא־ | יָדַעְנוּ | זֶה | הֲלֹא־ | תֹכֵן | וּלְבוֹת | הוּא־ | יָבִין |
| क्योंकि- | कहेगा | देखो | नहीं- | जानते-थे-हम | यह | क्या-नहीं- | जांचनेवाला | हृदयों-को | वह- | समझेगा |
| | H0559 | H2005 | H3808 | H3045 | H2088 | H3808 | H8505 | H3826 | H1931 | H0995 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וְנֹצֵר | נַפְשְׁךָ | הוּא | יֹדֵעַ | וְהֵשִׁיב | לְאָדָם | כְּפָעֳלוֹ׃ |
| और-रखनेवाला | प्राण-तेरे | वह | जानता-है | और-लौटाएगा | मनुष्य-को | कार्य-उसके-अनुसार |
| H5341 | H5315 | H1931 | H3045 | H7725 | H0120 | H6467 |

तू ऐसा नहीं कह सकता, “मुझे इससे क्या लेना।” यहोवा जानता है सब कुछ और यह भी वह जानता है किस लिये तू काम करता है यहोवा तुझको देखता रहता है। तेरे भीतर की जानता है और वह तुझको यहोवा तेरे कर्मो का प्रतिदान देगा।

13

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֱכָל־ | בְּנִי | דְבַשׁ | כִּי־ | טוֹב | וְנֹפֶת | מָתוֹק | עַל־ | חִכֶּךָ׃ |
| खा- | पुत्र-मेरे | शहद | क्योंकि- | अच्छा | और-छत्ता | मीठा | पर- | तालू-तेरे |
| H0398 | | H1706 | | | H5317 | H4966 | | H2441 |

हे मेरे पुत्र, तू शहद खाया कर क्योंकि यह उत्तम है। यह तुझे मीठा लगेगा।

14

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כֵּן | דַּעַת | חָכְמָה | לְנַפְשֶׁךָ | אִם־ | מָצָאתָ | וְיֵשׁ | אַחֲרִית | וְתִקְוָתְךָ | לֹא | פ |
| वैसे- | जान | बुद्धि | प्राण-तेरे-के-लिए | यदि- | पाएगा | और-है | भविष्य | और-आशा-तेरी | नहीं | प |
| | H3045 | H2451 | H5315 | | H4672 | H3426 | H0319 | | H3808 | |

| | |
|---|---|
| תִּכָּרֵת׃ | |
| काटी-जाएगी | |
| H3772 | |

इसी तरह यह भी तू जान ले कि आत्मा को तेरी बुद्धि मीठी लगेगी, यदि तू इसे प्राप्त करे तो उसमें निहित है तेरी भविष्य की आशा और वह तेरी आशा कभी भंग नहीं होगी।

15

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אַל־ | תֶּאֱרֹב | רָשָׁע | לְנֵוֵה | צַדִּיק | אַל־ | תְּשַׁדֵּד | רִבְצוֹ׃ |
| मत- | घात-में-लग | दुष्ट | निवास-पर | धर्मी-के | मत- | उजाड़ | शयन-उसका |
| H0408 | H0693 | H7563 | | H6662 | H0408 | H7703 | H7258 |

धर्मी मनुष्य के घर के विरोध में लुटेरे के समान घात में मत बैठ और उसके निवास पर मत छापा मार।

16

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כִּי | שֶׁבַע | יִפּוֹל | צַדִּיק | וָקָם | וּרְשָׁעִים | יִכָּשְׁלוּ | בְּרָעָה׃ |
| क्योंकि | सात | गिरता-है | धर्मी | और-उठता-है | परंतु-दुष्ट | ठोकर-खाते-हैं | बुराई-में |
| | H7651 | H5307 | H6662 | | H7563 | H3782 | |

क्योंकि एक नेक चाहे सात बार गिरे, फिर भी उठ बैठेगा। किन्तु दुष्ट जन विपत्ति में डूब जाता है।

17

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| בִּנְפֹל | [אויבך] | (אֹיִבְךָ) | אַל־ | תִּשְׂמָח | וּבִכָּשְׁלוֹ | אַל־ | יָגֵל | לִבָּךְ׃ |
| गिरने-पर | [शत्रुओं-तेरे] | (शत्रु-तेरे-के) | मत- | आनंदित-हो | और-ठोकर-खाने-पर-उसके | मत- | उल्लसित-हो | हृदय-तेरा |
| H5307 | H0341 | H0341 | H0408 | H8055 | H3782 | H0408 | H1523 | |

शत्रु के पतन पर आनन्द मत कर। जब उसे ठोकर लगे, तो अपना मन प्रसन्न मत होने दे।

18

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| פֶּן־ | יִרְאֶה | יְהוָה | וְרַע | בְּעֵינָיו | וְהֵשִׁיב | מֵעָלָיו | אַפּוֹ׃ |
| नहीं-तो- | देखेगा | यहोवा | और-बुरा | आंखों-अपनी-में | और-मोड़ेगा | उस-से | क्रोध-अपना |
| H6435 | H7200 | H3068 | | | H7725 | | H0639 |

यदि तू ऐसा करेगा, तो यहोवा देखेगा और वह यहोवा की आँखों में आ जायेगा एवं वह तुझसे प्रसन्न नहीं रहेगा। फिर सम्भव है कि वह तेरे उस शत्रु की ही सहायता करे।

19

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| אַל־ | תִּתְחַר | בַּמְּרֵעִים | אַל־ | תְּקַנֵּא | בָּרְשָׁעִים׃ |
| मत- | जल- | बुराई-करनेवालों-पर | मत- | ईर्ष्या-कर | दुष्टों-से |
| H0408 | H2734 | | H0408 | H7065 | H7563 |

तू दुर्जनों के साथ कभी ईर्ष्या मत रख, कहीं तुझे उनके संग विवाद न करना पड़ जाये।

20

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כִּי | לֹא־ | תִהְיֶה | אַחֲרִית | לָרָע | נֵר | רְשָׁעִים | יִדְעָךְ׃ |
| क्योंकि | नहीं- | होगा | भविष्य | बुरे-के-लिए | दीपक | दुष्टों-का | बुझ-जाएगा |
| | H3808 | H1961 | H0319 | | | H7563 | H1846 |

क्योंकि दुष्ट जन का कोई भविष्य नहीं है। दुष्ट जन का दीप बुझा दिया जायेगा।

21

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| יְרָא־ | אֶת־ | יְהוָה | בְּנִי | וָמָלֶךְ | עִם־ | שֹׁנִים | אַל־ | תִּתְעָרָב׃ |
| भय-कर- | – | यहोवा-का | पुत्र-मेरे | और-राजा-का | साथ- | बदलनेवालों-के | मत- | मिल |
| H3372 | H0853 | H3068 | | H4428 | | | H0408 | H6148 |

हे मेरे पुत्र, यहोवा का भय मान और विद्रोहियों के साथ कभी मत मिल।

22

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כִּי־ | פִתְאֹם | יָקוּם | אֵידָם | וּפִיד | שְׁנֵיהֶם | מִי | יוֹדֵעַ׃ | ס |
| क्योंकि- | अचानक | उठेगी | विपत्ति-उनकी | और-विनाश | दोनों-का | कौन | जानता-है | स |
| | H6597 | | H0343 | H6365 | H8147 | H4310 | H3045 | |

क्योंकि वे दोनों अचानक नाश ढाह देंगे उन पर; और कौन जानता है कितनी भयानक विपत्तियाँ वे भेज दें।

23

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| גַּם־ | אֵלֶּה | לַחֲכָמִים | הַכֵּר־ | פָּנִים | בְּמִשְׁפָּט | בַּל־ | טוֹב׃ |
| भी- | ये | बुद्धिमानों-के-लिए | पहचानना- | मुखों-को | न्याय-में | नहीं- | अच्छा |
| H1571 | H0428 | H2450 | | H6440 | H4941 | H1077 | |

ये सुक्तियाँ भी बुद्धिमान जनों की है: न्याय में पक्षपात करना उचित नहीं है।

24

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֹמֵר | לָרָשָׁע | צַדִּיק | אָתָּה | יְקֻבֻּהוּ | עַמִּים | יִזְעָמוּהוּ | לְאֻמִּים׃ |
| कहनेवाला | दुष्ट-को | धर्मी | तू | शाप-देंगे-उसे | लोग | घृणा-करेंगे-उसे | जातियाँ |
| H0559 | H7563 | H6662 | | | | H2194 | H3816 |

ऐसा जन जो अपराधी से कहता है, “तू निरपराध है” लोग उसे कोसेंगे और जातियाँ त्याग देंगी।

25

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| וְלַמּוֹכִיחִים | יִנְעָם | וַעֲלֵיהֶם | תָּבוֹא | בִרְכַּת־ | טוֹב׃ |
| और-डांटनेवालों-के-लिए | आनंद | और-उन-पर | आएगी | आशीर्वाद- | भलाई-की |
| H3198 | H5276 | | H0935 | H1293 | |

किन्तु जो अपराधी को दण्ड देंगे, सभी जन उनसे हर्षित रहेंगे और उनपर आर्शीवाद की वर्षा होगी।

26

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| שְׂפָתַיִם | יִשָּׁק | מֵשִׁיב | דְּבָרִים | נְכֹחִים׃ |
| होंठों-को | चूमता-है | लौटानेवाला | बातें | सीधी |
| H8193 | | H7725 | H1697 | H5228 |

निर्मल उत्तर से मन प्रसन्न होता है, जैसे अधरों पर चुम्बन अंकित कर दे।

27

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הָכֵן | בַּחוּץ | מְלַאכְתֶּךָ | וְעַתְּדָהּ | בַּשָּׂדֶה | לָךְ | אַחַר | וּבָנִיתָ | בֵיתֶךָ׃ | פ |
| तैयार-कर | बाहर | काम-अपना | और-तैयार-कर | खेत-में | अपने-लिए | बाद-में | और-बनाएगा | घर-अपना | प |
| | H2351 | H4399 | H6257 | | | | H1129 | | |

पहले बाहर खेतों का काम पूरा कर लो इसके बाद में तुम अपना घर बनाओ।

28

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| אַל־ | תְּהִי | עֵד־ | חִנָּם | בְּרֵעֶךָ | וַהֲפִתִּיתָ | בִשְׂפָתֶיךָ׃ |
| मत- | हो | साक्षी- | बिना-कारण | पड़ोसी-अपने-के-विरुद्ध | और-बहकाना | होंठों-अपने-से |
| H0408 | H1961 | H5707 | H2600 | H7453 | | H8193 |

अपने पड़ोसी के विरुद्ध बिना किसी कारण साक्षी मत दो। अथवा तुम अपनी वाणी का किसी को छलने में मत प्रयोग करो।

29

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אַל־ | תֹּאמַר | כַּאֲשֶׁר | עָשָׂה־ | לִי | כֵּן | אֶעֱשֶׂה־ | לּוֹ | אָשִׁיב | לָאִישׁ | |
| मत- | कह | जैसा | किया- | मेरे-साथ | वैसा | करूंगा- | उसके-साथ | लौटाऊंगा-मैं | मनुष्य-को | |
| H0408 | H0559 | | | | | | | H7725 | H0376 | |

כְּפָעֳלוֹ׃
कार्य-उसके-अनुसार
H6467

मत कहे ऐसा, “उसके साथ मैं भी ठीक वैसा ही करूँगा, मेरे साथ जैसा उसने किया है; मैं उसके साथ जैसे को तैसा करूँगा।”

30

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| עַל־ | שְׂדֵה | אִישׁ־ | עָצֵל | עָבַרְתִּי | וְעַל־ | כֶּרֶם | אָדָם | חֲסַר־ | לֵב׃ |
| पास-से- | खेत-के | मनुष्य- | आलसी-के | गुजरा-मैं | और-पास-से- | दाख-बारी-के | मनुष्य | बिना-समझ- | बुद्धि |
| | | H0376 | H6102 | | | H3754 | H0120 | H2638 | |

मैं आलसी के खेत से होते हुए गुजरा जो अंगूर के बाग के निकट था जो किसी ऐसे मनुष्य का था, जिसको उचित—अनुचित का बोध नहीं था।

31

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְהִנֵּה | עָלָה | וְכֻלּוֹ | קִמְשֹׂנִים | כָּסּוּ | פָנָיו | חֲרֻלִּים | וְגֶדֶר | אֲבָנָיו | |
| और-देखो | उग-आया-था | सब-में | कांटे | ढक-गई | सतह-उसकी | बिछुआ-से | और-दीवार | पत्थरों-की-उसकी | |
| H2009 | H5927 | H3605 | H7063 | H3680 | H6440 | H2738 | H1444 | H0068 | |

נֶהֱרָסָה׃
गिर-गई-थी
H2040

कंटीली झाड़ियाँ निकल आयीं थी हर कहीं खरपतवार से खेत ढक गया था। और बाड़ पत्थर की खंडहर हो रही थी।

32

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וָאֶחֱזֶה | אָנֹכִי | אָשִׁית | לִבִּי | רָאִיתִי | לָקַחְתִּי | מוּסָר׃ |
| और-देखा-मैंने | मैं | लगाया | हृदय-अपना | देखा-मैंने | लिया-मैंने | अनुशासन |
| H2372 | H0595 | H7896 | | H7200 | H3947 | H4148 |

जो कुछ मैंने देखा, उस पर मन लगा कर सोचने लगा। जो कुछ मैंने देखा, उससे मुझको एक सीख मिली।

33

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| מְעַט | שֵׁנוֹת | מְעַט | תְּנוּמוֹת | וּמְעַט | חִבֻּק | יָדַיִם | לִשְׁכָּב׃ |
| थोड़ी | नींद | थोड़ी | उंघाई | थोड़ा | बांधना | हाथों-का | लेटने-के-लिए |
| H4592 | H8142 | H4592 | H8572 | H4592 | H2264 | H3027 | H7901 |

जरा एक झपकी, और थोड़ी सी नींद, थोड़ा सा सुस्ताना, धर कर हाथों पर हाथ। (दरिद्रता को बुलाना है)

34

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וּבָא־ | מִתְהַלֵּךְ | רִישֶׁךָ | וּמַחְסֹרֶיךָ | כְּאִישׁ | מָגֵן׃ | פ |
| और-आएगी- | चलती-हुई | गरीबी-तेरी | और-घाटा-तेरा | मनुष्य-जैसे | ढालधारी | प |
| H0935 | H1980 | | H4270 | H0376 | H4043 | |

वह तुझ पर टूट पड़ेगी जैसे कोई लुटेरा टूट पड़ता है, और अभाव तुझ पर टूट पड़ेगा जैसे कोई शस्त्र धारी टूट पड़ता है।